ट्रेन में बैठकर मिली राहत की सांस

लॉकडाउन के बाद पहली बार नई दिल्ली से चुनिंदा स्टेशनों के लिए विशेष ट्रेनों का परिचालन

शाइन जैकब

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से डिब्रूगढ़ जाने वाली ट्रेन और इनसेट में सवार यात्री *फोटो- शाइन जैकब*

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर खड़े ग्रेटर नोएडा के आईईसी कॉलेज में फार्मेसी के अंतिम वर्ष के छात्र सुधांशु सिंह ने कहा, 'अगर आरोग्य सेतु ऐप में कोई खामी नहीं है तो हम जोखिम में हैं। यह दिखाता है कि 500 मीटर के दायरे में इस ऐप को इस्तेमाल कर रहे 3,068 लोगों में से चार कोरोना पॉजिटिव हैं।'

सिंह और उनके दोस्त अमरीश कश्यप को भारतीय रेलवे के फिर से यात्री सेवाएं शुरू करने से राहत मिली है, जो 22 मार्च को बंद हो गई थीं। वह पिछले 50 दिन से मैगी नूडल्स और दूध पर जिंदा हैं। कश्यप और उनका दोस्त कहते हैं कि वे अपने इस खान-पान से राहत पाने के लिए अपने फोन पर कोई भी ऐप्लीकेशन डाउनलोड करने को तैयार हैं। इस बारे में अब भी भ्रम है कि यात्रियों के लिए यह सरकारी ऐप जरूरी है या नहीं।

रेल मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि सभी यात्रियों को यह ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है। मंत्रालय के मंगलवार को दोपहर 12 बजकर 27 मिनट के एक ट्वीट में कहा गया कि यात्रियों के लिए अपने मोबाइल फोनों में आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य है। इसके बावजूद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सभी अधिकारियों या यात्रियों ने ऐप डाउनलोड नहीं किया था।

डिब्रूगढ़ जा रहे एक अन्य छात्र सूर्य प्रकाश ने कहा, 'केवल पहाड़गंज की तरफ के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्कैनिंग हो रही थी, जिसमें हमारे शरीर के तापमान की जांच की गई। ऐप्लीकेशन को तो भूल जाएं, ऑनलाइन टिकट लेना ही मुश्किल काम था। हमें यह टिकट भी एक एजेंट को 1,000 रुपये अतिरिक्त देने के बाद मिला है।' मंगलवार को कुल 3,461 यात्री नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से तीन विशेष ट्रेन रवाना हुईं, जो नई दिल्ली-बिलासपुर के लिए 1177, नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ के लिए 1122 और नई दिल्ली-बेंगलूरु के लिए 1162 थीं।

चरणबद्ध तरीके से सेवाएं शुरू करने के लिए नई दिल्ली, मुंबई, हावड़ा, अहमदाबाद, पटना और बेंगलूरु से कुल आठ ट्रेन शुरू हुईं।

ज्यादातर यात्रियों के लिए स्टेशन पर पहुंचना आसान नहीं था। बिहार के रक्सौल के प्रमोद कुमार नारायण को समय पर स्टेशन पर पहुंचने के लिए पांच घंटे पैदल चलना पड़ा। इसके बाद थर्मल स्कैनिंग के लिए तीन घंटे कतार में लगना पड़ा। वह द्वारका में पोचनपुर के नजदीक एक छोटा फूड स्टॉल चलाते हैं। वह बी2 कोच में सफर कर रहे थे। नारायण ने कहा, 'पिछले 50 दिनों से अधिक समय से मैं कोई कारोबार नहीं कर पाया। मैं शहर में केवल तभी टिक पाया, जब घर से मुझे कुछ पैसा भेजा गया। कारोबार के नुकसान और बढ़ते खर्चों से गुजारा करना भी मुश्किल हो गया था।'

भारतीय रेलवे ने 1 मई से देश के विभिन्न हिस्सों से फंसे प्रवासी कामगारों को ले जाने के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें शुरू की थीं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने बिलासपुर जाने वाली ट्रेन के चलने से पहले प्लेटफार्म नंबर 1 पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारा ध्यान फंसे यात्रियों को ले जाने पर है। अब तक 6,50,000 से अधिक प्रवासियों को श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के जरिये घर भेजा गया है। अब सामान्य यात्रियों और प्रवासी मजदूरों दोनों को ले जाने के लिए ज्यादा ट्रेनों की सेवाएं दी जाएंगी।'

मंगलवार को देश भर के विभिन्न राज्यों से कुल 575 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनों का संचालन किया गया, जिनमें 680,000 लोगों ने यात्रा की। यादव ने बताया कि भारतीय रेलवे ने इन स्पेशल ट्रेनों को चलाने के लिए सभी सामाजिक दूरी और स्वच्छता मानकों का पालन किया गया है। उन्होंने कहा, 'हमने लोगों से अपना चादर और खाने-पीने की चीजें लाने के लिए कहा है।'

अधिकांश यात्रियों के लिए एक बड़ी चिंता ट्रेन में खाने के सामान की कमी से जुड़ी थी। आजादपुर सब्जी मंडी में काम करने वाले और बिहार के दानापुर की यात्रा पर जा रहे रणधीर कुमार ने कहा, 'भोजन की कमी एक बड़ा मुद्दा है। हमने पिछले 50 दिन काफी मुश्किल से काटे हैं। हमारे पास खाने की कमी तो थी ही साथ ही कोई काम भी नहीं था। मैं सिर्फ कुछ ही घंटों में टिकट पाने में कामयाब रहा। मैं नहीं जानता कि आरोग्य सेतु क्या है और स्टेशन पर किसी ने मुझसे पूछा नहीं।' रेलवे के अनुसार, ट्रेन में लोगों को पैकेज्ड पानी और खाने के लिए तैयार भोजन दिया जाएगा लेकिन ट्रेन में कोई खाने-पीने की चीज तैयार नहीं होंगी।

तसलीम मोहम्मद बिहार के कटिहार जिले के एक दिहाड़ी मजदूर हैं और उनका कहना है कि अगर वह दिल्ली सरकार के मुफ्त भोजन के लिए ठहरते तो उन्हें मरना पड़ता। दिल्ली में 50 दिनों से फंसे एक कपड़ा कारोबारी मोहम्मद शमसाद कहते हैं, 'मुझे लगता है कि सरकार ने इन ट्रेनों को देर से शुरू किया। अगर इन्होंने ये सेवाएं पहले शुरू की होती तो कोरोनावायरस की वजह से लगाए गए लॉकडाउन से नुकसान कम हो गया होता।'

डिब्रूगढ़ के कुंदन कुमार मिश्रा ने कहा, 'बहुत से लोग बिना नौकरी या पैसे की कमी की वजह से फंस गए थे। मेरे लिए यह सफर मेरी जिंदगी का सफर है। मेरी पत्नी नौ माह की गर्भवती है। मैं कई दिनों से चिंतित था और यह ट्रेन वरदान के रूप में आई है।'

प्रपत्र जी

इच्छा की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण

(दिवाला और शोधन अक्षमता (निगमित व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 36ए (1) के अधीन)

प्रासंगिक विवरण		
1.	निगमित कर्जदार का नाम	**जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड**
2.	निगमित कर्जदार के गठन की तिथि	01 अप्रैल 1992
3.	प्राधिकारी जिनके अधीन निगमित कर्जदार का गठन/पंजीयन किया गया है	कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय, आरओसी-मुम्बई
4.	निगमित कर्जदार का कॉरपोरेट आईडेंटिटी नम्बर/लिमिटेड लॉयब्लिटी आईडेंटिफिकेश नम्बर	L99999MH1992PLC066213
5.	निगमित कर्जदार के पंजीकृत कार्यालय तथा मूल कार्यालय (यदि कोई है) का पता	पंजीकृत कार्यालयः सिरोया सेंटर, सहर एयरपोर्ट रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुम्बई-400099 मूल कार्यालयः जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड, ग्लोबल वन, तीसरी मंजिल, 252, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (वेस्ट), मुम्बई-400070
6.	निगमित कर्जदार के दिवालिया आरम्भ होने की तारीख	20 जून, 2019
7.	इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रण की तारीख	13 मई, 2020 (राउंड 4) समाचार पत्र में विज्ञापन प्रकाशित एवं कंपनी की वेबसाइट भी अद्यतन किया गया है
8.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के अधीन प्रस्ताव आवेदकों हेतु पात्रता जहां उपलब्धः	पात्रता के मानदंड **www.jetairways.com** पर उपलब्ध विस्तृत इच्छा की अभिव्यक्ति की पद्धति के दस्तावेज में उपलब्ध है अथवा **fly.JetAirways@in.gt.com** पर ई-मेल भेज कर प्राप्त किया जा सकता है।
9.	धारा 29ए के अधीन लागू अपात्रता के नियम जहां उपलब्ध हैः	आईबीबीआई की वेबसाइट (**https://ibbi.gov.in/legal-framework/**) पर उपलब्ध है अथवा **fly.JetAirways@in.gt.com** पर ईमेल भेज कर प्राप्त किया जा सकता है।
10.	इच्छा की अभिव्यक्ति प्राप्त होने की अंतिम तारीख	28 मई, 2020
11.	प्रत्याशित प्रस्ताव आवेदकों की अनंतिम सूची जारी होने की तारीख	02 जून, 2020
12.	अनंतिम सूची की आपत्तियां जमा करने की अंतिम तारीख	07 जून, 2020
13.	प्रस्तावित प्रस्ताव आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तारीख	10 जून, 2020
14.	सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा प्रत्याशित प्रस्ताव आवेदकों के लिए प्रस्ताव योजना हेतु अनुरोध जारी करने की तारीख	02 जून, 2020
15.	प्रस्ताव योजना, मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन तथा आगे की जानकारी प्राप्त करने का हेतु अनुरोध का प्रारूप	पात्र प्रत्याशित प्रस्ताव आवेदकों के साथ इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में साझा किया जाएगा
16.	प्रस्ताव योजनाएं जमा करने की अंतिम तारीख	11 जुलाई, 2020
17.	प्रस्ताव पेशेवर के पास प्रस्ताव योजनाएं जमा करने का प्रारूप	प्रस्ताव पेशेवर को मुहरबंद लिफाफे में डाक द्वारा/हाथों हाथ साथ में एक पेनड्राइव में डिजिटल कॉपी के रूप में
18.	अनुमोदन हेतु निर्णायक प्राधिकारी के पास प्रस्ताव योजना जमा करने की अनुमानित तारीख	23 जुलाई, 2020
19.	प्रस्ताव पेशेवर का नाम एवं पंजीयन संख्या	आशिष छवछरिया IBBI/IPA001/IP-P00294/2017-18/10538
20.	बोर्ड के साथ पंजीकृत प्रस्ताव पेशेवर का नाम, पता एवं ईमेल	आशिष छवछरिया, **ए:** ग्रांट थॉर्नटन, 10सी हंगरफोर्ड स्ट्रीट, कोलकाता-700017, **ईमेलः ashish.chhawchharia@in.gt.com**
21.	प्रस्ताव पेशेवर के साथ पत्राचार हेतु प्रयोग किया जाने वाला पता एवं ईमेल	जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड, ग्लोबल वन, तीसरी मंजिल, 252, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (वेस्ट), मुम्बई-400070, **ईमेलः fly.JetAirways@in.gt.com**
22.	और विवरण जहां उपलब्ध है	निगमित कर्जदार की वेबसाइट **www.jetairways.com** पर अथवा **fly.JetAirways@in.gt.com** पर ई-मेल के जरिए मांग की जा सकती है
23.	प्रपत्र जी के प्रकाशन की तारीख	13 मई, 2020 (राउंड 4)

हस्ताक्षर

आशिष छवछरिया

(IBBI/IPA-001/IP-P00294/2017-18/10538)

जेट एयरवेज (इंडिया) लिमिटेड के लिए

प्रस्ताव पेशेवर

ई-मेलः RP.JetAirways@in.gt.com

पंजीकृत पता एवं ईमेल आईडी साथ में आईबीबीआईः ग्रांट थॉर्नटन, 10सी हंगरफोर्ड स्ट्रीट, कोलकाता-700017,

ई-मेलः ashish.chhawchharia@in.gt.com

तारीखः 13 मई, 2020

स्थान : मुम्बई

मोदी ने दिया 20 लाख करोड़ रुपये का पैकेज

पृष्ठ 1 का शेष

संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोनावायरस ने दुनिया को तहस-नहस कर दिया है। लेकिन हमें हारना या टूटना नहीं है। इस जंग के सभी नियमों का पालन करते हुए बचना भी है और आगे बढ़ना भी है। उन्होंने सदी के आरंभ में गुजरात के कच्छ में आए भूकंप का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कच्छ मलबे में तब्दील हो गया था और कोई सोच भी नहीं सकता था कि वह फिर खड़ा हो पाएगा। लेकिन कच्छ अपने पैरों पर खड़ा हुआ और आगे बढ़ गया। यह आत्मनिर्भरता थी और यही आत्मनिर्भरता 21वीं सदी को भारत के नाम करेगी। कोरोना के पहले की दुनिया और उसके बाद की दुनिया को देखते हुए इसे साकार करने की जिम्मेदारी भारतवासियों की है।

उन्होंने कहा कि भारत की भेजी दवाएं पूरी दुनिया के काम आ रही हैं। जीवन-मरण की इस लड़ाई में पूरी दुनिया भारत की दवाओं के बल पर लड़ रही है। भारत को खुद को सुरक्षित रखते हुए सभी की मदद करनी है और वसुधैव कुटुंबकम के प्रचीन ध्येय वाक्य को साकार करना है।

कोविड-19: तकनीक से आंकड़ों का विश्लेषण

विनय उमरजी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी और ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल, सिंगापुर के शोधकर्ताओं ने भारत में कोविड-19 की स्थिति का विश्लेषण करने वाली डेटा आधारित प्रणाली विकसित की है। यह संयुक्त टीम अगले 30 दिनों में भारत में विभिन्न राज्यों के संक्रमित लोगों की कुल संख्या का विश्लेषण और अनुमान लगाने के लिए डेटा विज्ञान मॉडल का उपयोग करेगी।

पूरी तरह से किसी भी एक मॉडल पर आधारित रिपोर्ट हमें संभावित रूप से गुमराह कर सकती है, इसलिए टीम ने ओपन-सोर्स डेटा का उपयोग करते हुए घातीय, लॉजिस्टिक तथा ससेप्टिबल इंफेक्शियस सेसेसेबल (एसआईएस) मॉडल अपनाकर इन संभावनाओं से बचाव का प्रयास कर रही है। यह डेटा आधारित मूल्यांकन आईआईटी गुवाहाटी में गणित विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पलाश घोष और उनके पीएचडी छात्र रिक घोष ने ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल, सिंगापुर में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विभास चक्रवर्ती के साथ मिलकर किया।

यह रिपोर्ट हाल के दिनों में सक्रिय मामलों की वृद्धि दर तथा प्रत्येक राज्य के लिए दैनिक संक्रमण-दर (डीआईआर) पर आधारित है। अगर किसी राज्य के लिए पिछले दो सप्ताह में डीआईआर मानकों में गिरावट नहीं दिखती है तो उस राज्य को 'गंभीर' श्रेणी में रख दिया जाता है। अगर पिछले दो सप्ताह से डीआईआर में मामूली गिरावट आ रही है और सक्रिय मामलों की संख्या कम या ज्यादा नहीं हो रही तो उसे 'मॉडरेट' श्रेणी में रखा जाता है।

अगर संक्रमित मामलों की संख्या कम हो रही है तथा डीआईआर में भी गिरावट आ रही है तो संबंधित राज्य को 'नियंत्रित' श्रेणी में रखा जाता है।

इस विश्लेषण प्रक्रिया में लॉजिस्टिक मॉडल अगले 30 दिनों की संभावनाएं बताता है जबकि घातीय मॉडल इसी से जुड़ी सबसे खराब स्थिति को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रव्यापी बंद के बावजूद लोग अभी भी आवश्यक सेवाओं के लिए घर से बाहर हैं, जो वायरस के प्रसार में योगदान कर सकते हैं।